



R&D IN INDIA
INNOVATIONS
UNLOCKED

डॉ. मनीष मोहन गोरे

भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और उद्यमिता का एक आयोजन है। इस महोत्सव में समाज के सभी वर्गों के लोग शामिल होते हैं और इसमें यह दर्शाया जाता है कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी किस तरह हमारे जीवन को बदल देती हैं और बेहतर बनाती हैं। IISF भारत की वैज्ञानिक विरासत को भी जनता के साथ साझा करता है। इस महोत्सव की नींव 2015 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय और भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने विज्ञान भारती (स्वदेशी भाषा वाले एक विज्ञान आंदोलन) के सहयोग से रखी थी। इसी वर्ष, यह निर्णय लिया गया कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में से कोई एक विभाग विज्ञान भारती के साथ साझेदारी में इस विज्ञान महोत्सव का आयोजन प्रत्येक वर्ष करेगा। इस कार्यक्रम का शुभारंभ के पीछे मुख्य उद्देश्य भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों और प्रगति का जश्न मनाने में आम जनता को शामिल करना था। दुनियाभर के विभिन्न देशों के लोग इसका कई कार्यक्रमों में भाग लेते हैं, जिससे इसे वैश्विक स्वरूप प्राप्त होता है। इस मेगा साइट पर स्थित मुख्य उद्देश्य समाज और मानवता की सेवा करना, लोगों में जिज्ञासा और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना है। आज, यह लोगों को विज्ञान से जोड़ने का एक अनूठा मंच बन गया है।

विज्ञान महोत्सव: विज्ञान को समाज तक पहुंचाने का एक अभिनव प्रयोग

विज्ञान और प्रौद्योगिकी का, समाज और मानव जीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ता है। इसलिए, आम जनता को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी होना

आवश्यक है। आमतौर पर, विज्ञान और आम जनता के बीच बहुत कम संपर्क रहता है, और इस अंतर को पाटने के लिए भारत में समय-समय पर कई प्रयास किए गए हैं। विज्ञान महोत्सव एक ऐसा ही कदम है, जिसमें नवीनतम वैज्ञानिक जानकारी को जनता के साथ साझा किया जाता है। 1960 के दशक से, भारत में जन विज्ञान आंदोलन के हिस्से के रूप में विज्ञान मेले या महोत्सव शुरू किए गए, जिसके तहत देश के अर्थ-राष्ट्री और ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान समूह और विज्ञान से संबंधित गतिविधियां आयोजित की गईं।

विज्ञान महोत्सव दुनियाभर के कई देशों में मनाए जाते हैं, जो विज्ञान और जनता के बीच एक सेतु का काम करते हैं। हालांकि, 2015 से हर साल भारत में आयोजित होने वाला भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (IISF) कई भाषाओं में अनूठा है। इस विशाल विज्ञान महोत्सव में न केवल देश के अग्रणी बच्चों, शिक्षकों और वैज्ञानिकों के लिए गतिविधियां आयोजित की जाती हैं, बल्कि कि अन्य विज्ञान महोत्सवों में होता है, बल्कि इन प्रमुख विभागों से आगे बढ़कर समाज के कई महत्वपूर्ण वर्गों के लिए इसमें कार्यक्रम सम्मिलित किए जाते हैं, जिनका जीवन और व्यवसाय किसी न किसी तरह से विज्ञान और प्रौद्योगिकी से प्रभावित है। बच्चों, शिक्षकों और वैज्ञानिकों के अलावा, IISF में समाज के हर वर्ग के लिए जगह है, जिसमें शिल्पकार, किसान, उद्यमी, विज्ञान संचारक, विज्ञान पत्रकार, विज्ञान मंत्री, स्टार्ट-अप, महिलाएं आदि शामिल हैं। इस तरह, भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव एक समावेशी आयोजन है, जो देश के विभिन्न हिस्सों में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, जिसमें स्थानीय संस्कृति, परंपराओं, भोजन आदि में निहित विज्ञान को शामिल किया जाता है। इस वर्ष, IISF का दसवां संस्करण 30 नवंबर से 3 दिसंबर 2024 के दौरान IIT गुवाहाटी में आयोजित किया जाएगा। यह उत्तर-पूर्व भारत में आयोजित होने वाला पहला IISF होगा, जो भारत के सुदूर उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित

आठ राज्यों वाला क्षेत्र है। इन राज्यों की संस्कृति, परंपराएं और खाद्य प्रणालियां वैज्ञानिक दृष्टिकोण रखती हैं।

IISF की अवधारणा

भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव विज्ञान भारती से प्रेरित एक पहल है। यह स्वीकृत संगठन प्रख्यात भारतीय वैज्ञानिकों द्वारा शुरू किया गया एक विज्ञान आंदोलन है। IISF का मूल उद्देश्य समाज के सभी वर्गों को विज्ञान का उत्सव मनाने का एक अनोखा अवसर प्रदान करना है। IISF के रचनात्मक आयोजनों और गतिविधियों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को देश और दुनिया के वैज्ञानिक समुदाय से मिलने और जुड़ने का अवसर मिलता है तथा भारत सहित अन्य देशों में अपनाई जा रही नवीन वैज्ञानिक पहलों के बारे में जानने का मौका मिलता है। अतः, विज्ञान की गतिविधियों में मानव कल्याण अंतर्निहित होता है, जो हम सभी को प्रभावित करता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं, जब देश स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी भारत के विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। IISF 2024 का मुख्य विषय 'भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी-आधारित वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदलना' है। इस दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदलने के लिए, भारत सरकार का लक्ष्य आधुनिक बुनियादी ढांचे और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए एक समृद्ध भारत का निर्माण करना है तथा सभी क्षेत्रों के नागरिकों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचने का अवसर प्रदान करना है।

IISF 2024 के महत्वपूर्ण कार्यक्रम

चंद्रयान मिशन की सफलता का जश्न मनाने के लिए गुवाहाटी में चंद्रमा की 10 मीटर ऊंची विशाल प्रतिकृति बनाई जाएगी, क्योंकि राष्ट्र 30 नवंबर से IISF की मेजबानी कर रहा है। IIT गुवाहाटी में चार दिवसीय कार्यक्रम के दौरान, शहर के मध्य स्थान पर चंद्रमा का 1:50,000,000 स्केल मॉडल रखा जाएगा। चंद्रमा की प्रतिकृति ब्रिटिश कलाकार ल्यूक जेरेम द्वारा स्थापित की जाएगी।

यह चंद्रमा मॉडल बच्चों, युवाओं और आम लोगों में जिज्ञासा जगाएगा, जिससे वे चंद्रमा की संरचना, इसकी सतह और दक्षिणी ध्रुव पर उस क्षेत्र को समझ सकेंगे, जहां भारत का चंद्रयान उतर था।

IISF 2024 में एक विज्ञान-प्रौद्योगिकी-रक्षा-अंतरिक्ष एक्सपोजे का भी आयोजन किया जा रहा है। विज्ञान-तकनीक एक्सपोजे में भारत की शानदार उपलब्धियों, प्रगति, सफलताओं और अस्पष्टता की कल्पनाओं को उजागर किया जाएगा, जिसका उद्देश्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, रक्षा, वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना, सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाना और भावी पीढ़ियों को प्रेरित करना है।

IISF 2024 में 'साइंस ओडिसी' नामक एक कार्यक्रम होगा, जिसमें विशेष रूप से उत्तर-पूर्व भारत के सामने आने वाली चुनौतियों के लिए वैज्ञानिक समाधान प्रस्तावित किए जाएंगे। प्रत्येक दिन दो सत्र होंगे, जिसमें 250-300 प्रतिभागी भाग लेंगे, विशेष रूप से उत्तर-पूर्व भारत के राज्यों से। इन सत्रों में इंटरैक्टिव सांख्यिकी व्याख्यान और पैनल चर्चाएं शामिल होंगी।

'छात्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी गांव' नया नालंदा कार्यक्रम, जिसे युवा पीढ़ी को एक साथ लाने और प्रेरित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, IISF 2024 का एक अभिन्न कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षिक खेलों और चुनौतियों के माध्यम से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) में छात्रों विद्यार्थियों के बीच जिज्ञासा उत्पन्न करना है। वे गतिविधियां युवा मस्तिष्क में समस्या-समाधान और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करेंगी।

'प्रज्ञा भारती' कार्यक्रम विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एक नया आयाम प्रदर्शित करेगा जो वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लिए विकास और प्रगति के व्यापक लक्ष्यों के साथ संरेखित है। यह कार्यक्रम AI, ML, बिग डेटा, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी, जीनोमिक्स, सस्टेनेबल ग्रीन टेक्नोलॉजी, स्पेस टेक्नोलॉजी, साइबर सिक्योरिटी, एडवांस्ड मेडिसीन, हेल्थकेयर इनोवेशन, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स जैसे वैज्ञानिक क्षेत्रों में अत्याधुनिक शोध पर ध्यान केंद्रित करेगा।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं के नेतृत्व पर केंद्रित 'नारी शक्ति' कार्यक्रम का उद्देश्य लक्षित चर्चाओं में महिलाओं को सक्रिय रूप से शामिल करना, उनके नेतृत्व के लिए जगह बनाना और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके दृष्टिकोण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी नीतियों और प्रथाओं को प्रभावित करें।

IISF 2024 का विज्ञान और प्रौद्योगिकी हैकरथॉन स्कूल व कॉलेज के छात्रों विद्यार्थियों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित अभिनव समाधान विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जिसमें विकसित भविष्य के लिए भारत के दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस हैकरथॉन के लिए समस्या कथन भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, परमाणु ऊर्जा और पृथ्वी विज्ञान के विभिन्न विभागों द्वारा प्रस्तुत किए जाएंगे।

मंत्री-सचिव-सीईओ कॉन्क्लेव में केंद्र और राज्य सरकारों के विज्ञान मंत्री, विभागीय सचिव और उद्योग जगत के सीईओ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे, अंतर्दृष्टि साझा करेंगे और सांख्यिकी तथा निजी दोनों क्षेत्रों को प्रभावित करने वाली रणनीतियों पर सहयोग करने के लिए एकत्र होंगे। ये सत्र इस बात पर केंद्रित होंगे कि 2047 तक विकासशील भारत की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जा सकता है।

'गुरुकुल' भारत में विज्ञान शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए समर्पित एक कार्यक्रम है। यह शिक्षकों को नवीन शिक्षण पद्धतियों, आधुनिक उपकरणों और रणनीतियों से लैस करेगा, ताकि वे विद्यार्थियों को वैज्ञानिक ज्ञान प्रभावी ढंग से प्रदान कर सकें। गुरुकुल कार्यक्रम शिक्षकों को प्रभावी और प्रेरक शिक्षक बनने में मदद करने के लिए एक व्यापक टूलकिट प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

'सागरिका' कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को मौसम विज्ञान, समुद्र विज्ञान और पारिस्थितिकी के परस्पर जुड़े क्षेत्रों से शिक्षित करना और उन्हें जोड़ना है, जिससे उन्हें भारतीय पारिस्थितिकी तंत्र पर उनके प्रभाव को समझने में मदद मिले।

'विज्ञानिका' विज्ञान के लोकप्रियकरण पर केंद्रित एक अनूठा IISF कार्यक्रम है। यह साहित्य के माध्यम से वैज्ञानिक अवधारणाओं और खोजों के संचार को प्रदर्शित करेगा।

'फ्यूजन फोरम - एटॉमिक असेंबली' नामक कार्यक्रम भारत में ऊर्जा स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता प्राप्त करने में परमाणु ऊर्जा की भूमिका पर जनता को जोड़ेगा। यह विभिन्न क्षेत्रों में परमाणु ऊर्जा कार्यान्वयन के वर्तमान दृष्टिकोण, भविष्य के साक्ष्यों और दबाव वाली चुनौतियों पर चर्चा करेगा।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मीडिया एवं संचारक सम्मेलन मीडिया कर्मियों, पत्रकारों, संचारकों और वैज्ञानिकों को नवीनतम वैज्ञानिक पिकर्सों से अपटेट रहने और अपनी कल्पनाओं को जनता के साथ साझा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगा। सम्मेलन में विज्ञान पत्रकारिता की चुनौतियों और अवसरों पर भी चर्चा की जाएगी।

IISF 2024 में एक अनूठा कार्यक्रम खाने के रीढ़ों को आकर्षित करेगा। 'टेस्ट ऑफ़ द डिश' IISF 2024 के प्रतिभागियों को उत्तर-पूर्वी व्यंजन पेश करेगा। उत्तर-पूर्वी भोजन के व्यंजन और स्वाद भारत के अन्य क्षेत्रीय व्यंजनों से अलग हैं, जिनमें अक्सर स्थानीय स्वदेशी सामग्री और पारंपरिक खाना पकाने के तरीकों का मिश्रण होता है, जो इस क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।

इस प्रकार, इन रोमांचक और जानकारीपूर्ण आयोजनों के साथ, भारत अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का दसवां संस्करण पहली बार 30 नवंबर से 3 दिसंबर 2024 तक उत्तर-पूर्व भारत में आयोजित किया जाएगा। यह अनूठा विज्ञान महोत्सव भारत सहित विभिन्न देशों के प्रतिभागियों और विशेषज्ञों को अपने अनुभव साझा करने के लिए एक साथ लाएगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी को विज्ञान और प्रौद्योगिकी से लाभ मिले। सभी को विज्ञान को उत्सव के रूप में अनुभव करने के लिए इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

(लेखक सीएसआईआर-राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं नीति अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक हैं और 'विज्ञान प्रगति' पत्रिका के संपादक हैं)।

व्यक्त किए गए विचार व्यक्तिगत हैं।

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy

(भारत सरकार: गृह मंत्रालय)

(Government of India: Ministry of Home Affairs)

हैदराबाद - 500052 : Hyderabad - 500052

सं. 15011/13/2013/स्था./ए 2

दिनांक: 12 नवंबर, 2024

सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद-500052 में प्रतिनिधित्वित (अल्पकालिक सविदा सहित) द्वारा कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद को भरने के लिए केंद्रीय या राज्य सरकारों या संघ शासित क्षेत्रों या स्वायत्त या सांविधिक संगठन या सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या विश्वविद्यालयों या मान्यताप्राप्त अनुसंधान संस्थान के पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

2. पद के लिए वेतन, अपेक्षित योग्यताएं, अन्य पात्रता मानदंड और आवेदन प्राप्त अकादमी की वेबसाइट <http://www.svpnpa.gov.in/vacancies> पर उपलब्ध है। सभी समर्थनकारी प्रलेखों के साथ विधिवत भरा हुआ आवेदन उचित माध्यम से रोजगार समाचार/Employment News में इस रिक्ति परिपत्र के प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर सहायक निदेशक (स्था.), सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, शिवरामपल्ली, हैदराबाद-500052 के पास पहुंच जाना चाहिए।

रो.सं. 35/82

प्रशासनिक अधिकारी (स्था.)



R&D IN INDIA

INNOVATIONS
UNLOCKED**Dr. Manish Mohan Gore**

The India International Science Festival (IISF) is a celebration of science, technology, innovation, and entrepreneurship. This festival is attended by people from all sections of society and demonstrates how science and technology transform and improve our lives. IISF also shares India's scientific legacy with the public. The foundation of this festival was laid in 2015 by the Ministry of Science and Technology and the Ministry of Earth Sciences, Government of India, in collaboration with VijnanaBharati (a science movement with a Swadeshi spirit). In the same year, it was decided that one of the departments from the Ministry of Science and Technology and the Ministry of Earth Sciences would organise this science festival annually in partnership with other ministries and departments of science and VijnanaBharati. The primary objective behind the initiation of this programme was to involve the general public in celebrating India's scientific and technological achievements and progress. People from different countries around the world participate in many of its programmes, giving it a global dimension. The key objective of this mega science festival is to serve society and humanity, fostering curiosity and a scientific temper among people. Today, it has become a unique platform to connect people with science.

Science Festival: An Innovative Experiment to Bring Science to Society

Science and technology have a vast impact on society and human life. Therefore, it is essential for the general public to be informed about science and technology. Generally, there is little interaction between science and the general public, and several efforts have been

made over time in India to bridge this gap. The science festival is one such experiment in which the latest scientific information is shared with the public. From the 1960s, science fairs or festivals were introduced in India as part of a People's Science Movement, under which science groups and science-related activities were organised in semi-urban and rural areas of the country.

Science festivals are celebrated in many countries around the world, acting as a bridge between science and the public. However, the India International Science Festival (IISF), organised every year in India since 2015, is unique in many ways. In this vast science festival, activities are organised not only for the country's leading children, teachers, and scientists, as is the case in other science festivals, but also, going beyond these key stakeholders, programmes are organised for many important sections of society whose lives and professions are impacted by science and technology in some way or another. Apart from children, teachers, and scientists, IISF has a place for every section of society, including artisans, farmers, entrepreneurs, science communicators, science journalists, science ministers, start-ups, women, etc. In this way, the India International Science Festival is an inclusive event, organised annually in different parts of the country, incorporating the science inherent in local culture, traditions, food, etc. This year, the tenth edition of IISF is scheduled at IIT Guwahati from November 30 to December 3, 2024. This will be the first IISF to be hosted in North East India, a region with eight states located in the far North-Eastern part of India. The culture, traditions, and food systems of these states have a scientific approach.

Concept Behind IISF

The India International Science Festival is an initiative inspired by VijnanaBharati. This voluntary organisation is a

science movement started by eminent Indian scientists. The basic objective of IISF is to provide an opportunity for all people in society to celebrate science. People from various sections of society get a chance to meet and connect with the scientific community of the country and the world, and to learn about the innovative scientific initiatives being adopted in other countries, including India, through the creative events and activities of IISF. Ultimately, human welfare is intrinsic to the activities of science, which impact all of us.

Prime Minister, Shri Narendra Modi, is working towards making India a developed nation by the year 2047, when the country will complete 100 years of independence. Science and technology will play a crucial role in India's journey to becoming a developed nation. The central theme around which IISF 2024 is being organised is "Transforming India into a Science and Technology-Based Global Manufacturing Hub." To turn this vision into reality, the Government of India aims to create a prosperous India, in harmony with modern infrastructure and nature, providing citizens from all regions the opportunity to reach their full potential through science and technology.

Important Events of IISF 2024

A giant 10-metre high replica of the moon will be constructed in Guwahati to celebrate the success of the Chandrayaan mission, as the city hosts IISF from 30 November. During the four-day event at IIT Guwahati, a 1:50,000,000 scale model of the moon will be placed in the city's central location. The moon replica will be installed by British artist Luke Jerram.

This moon model will spark curiosity among children, youth, and the general public, allowing them to understand the structure of the moon, its surface, and the area on the south pole where India's Chandrayaan has landed.

A Science-Technology-Defence-Space Expo is also being organised at IISF 2024. The Science-Tech Expo will highlight India's glorious achievements, progress, successes, and success stories, with the aim of promoting science and technology, space, defence, scientific temper, raising awareness on social issues, and inspiring future generations.

IISF 2024 will feature a programme called "Science Odyssey," which will propose scientific solutions to challenges faced by North East India, in particular. There will be two sessions each day, with 250-300 participants, especially from the North East. The sessions will include interactive public lectures and panel discussions.

The "Student Science & Technology Village - The New Nalanda" event, designed to bring together and inspire the younger generation, will be an integral part of IISF 2024. This event aims to generate curiosity among students in Science, Technology, Engineering, and Mathematics (STEM) through educational games and challenges. These activities will encourage problem-solving and critical thinking among young minds.

The "Pragya Bharati" event will showcase a new dimension in science and technology that aligns with the broader goals of development and progress for a developed India by 2047. The programme will focus on cutting-edge research in scientific fields such as AI, ML, Big Data, Quantum Computing, Biotechnology, Genomics, Sustainable Green Technology, Space Technology, Cyber Security, Advanced Manufacturing, Healthcare Innovation, Automation, and Robotics.

The "Nari Shakti" event, focused on women's leadership in S&T, will aim to actively involve women in targeted discussions, creating space for their leadership and ensuring their perspectives influence science and technology policies and practices.

The S&T Hackathon of IISF 2024 will encourage school and college students to develop innovative solutions related to science and technology, with a focus on India's vision for a developed future. The problem statements for this hackathon will be submitted by various departments of Science and Technology, Space, Atomic Energy, and Earth Sciences in the Government of India.

The Minister-Secretary-CEO Conclave will bring together Science Ministers from the Central and State Governments, Departmental Secretaries, and CEOs from industry to discuss critical issues, share insights, and collaborate on strategies that impact both the public and private sectors. These sessions

will focus on how science and technology can be effectively used to meet the requirements of a developing India by 2047.

"Gurukul" is an event dedicated to enhancing the quality of science education in India. It will equip teachers with innovative teaching methodologies, modern tools, and strategies to effectively impart scientific knowledge to students. Gurukul will focus on providing a comprehensive toolkit to help educators become effective and inspiring teachers.

The "Sagarika" event aims to educate and connect people with the interlinked fields of meteorology, oceanography, and ecology, helping them understand their impact on the Indian ecosystem.

"Vigyanika" is a unique IISF event focused on science popularisation. It will showcase the communication of scientific concepts and discoveries through literature.

The event titled "Fusion Forum - Atomic Assembly" will engage the public on the role of nuclear energy in achieving energy independence and self-sufficiency in India. It will discuss the current outlook, future benefits, and pressing challenges of nuclear energy implementation in various sectors.

The Science & Technology Media and Communicators Conclave will provide a unique platform for media personnel, journalists, communicators, and scientists to stay updated on the latest scientific developments and share their stories with the public. The Conclave will also discuss the challenges and opportunities of science journalism.

One unique event at IISF 2024 will appeal to food lovers. "Taste of the Hills" will offer North-Eastern cuisine to the participants of IISF 2024. The dishes and flavours of North-Eastern food are distinct from other regional cuisines in India, often featuring a fusion of local indigenous ingredients and traditional cooking methods, reflecting the rich cultural heritage of the region.

Thus, with these exciting and informative events, the tenth edition of the India International Science Festival will be the first in North East India from November 30 to December 3, 2024. This unique science festival will bring together participants and experts from different countries, including India, to share their experiences, ensuring that everyone benefits from science and technology. All are encouraged to participate in this event to experience science as a celebration.

(The author is a Scientist with CSIR-National Institute of Science Communication and Policy Research, and Editor of the popular science magazine 'Vigyan Pragati')

Broadcast Engineering Consultants India Ltd.

(A Govt. of India Undertaking)

Corporate Office: C-56, A/17, Sector-62, Noida (UP)-201307

BECIL invites applications for the following post purely on contract basis.

S. No.	Name of the post	Number of Position	Consolidated Pay (Per Month)	Upper Age Limit (as on 31st March 2024)	Qual. & Exp.
1.	Sound Recordist cum Technical Engineer	01 (One)	Rs. 30,000/-	30 Years	Essential: Degree in Electronics & Communication Engineering/Electronics Engineering/ Electrical Engineering. Preferable: Diploma/Certificate in Sound Recording, Good Voice, Knowledge of recording software (Cubase & Nuendo)

For more details see our website : www.becil.com
Last date of receipt of application: 7th December, 2024
CBC 22113/12/0001/2425

EN 35/32